SAMPLE · नमूना

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ASTRODARBAAR



Kundli Milan Report

Aditya Saxena + Ritika Agarwal

Kundli matching, in the language of tradition

BOY (VAR)
Aditya Saxena, 19-08-1994

GIRL (VADHU)
Ritika Agarwal, 06-02-1997

GUNAS
28 of 36

PORUTHAM
5 of 10 agree

ASTRODARBAAR EXCLUSIVE

Prepared by Astrodarbaar on 2026-11-23

astrodarbaar.com

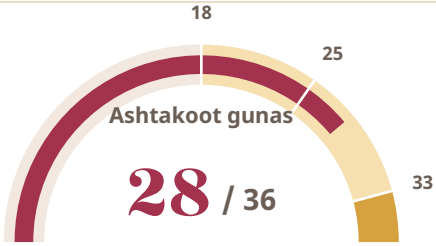
Scan to visit

SAMPLE · नमूना

Your match at a glance

IN SHORT

- Ashtakoot: 28 of 36 gunas · a good match.
- Porutham: 5 of the 10 South Indian checks agree.
- Your natures together: flows easily; easiest: feelings in tune · affection and taste.



A good match

Your natures together

Flows easily

Signs of how your natures meet, apart from the guna count.

The eight kootas: the gunas of each part

Nadi · nature and rhythm	0 / 8
Bhakoot · harmony at home	7 / 7
Gana · nature	6 / 6
Graha Maitri · meeting of minds	5 / 5
Yoni · comfort and habits	4 / 4
Tara · daily well-being	3 / 3
Vashya · mutual pull	2 / 2
Varna · outlook	1 / 1

Three big checks

Nadi: the same (see its page)

Bhakoot: agreeable (7 of 7)

Mars: in the list for one (see its page)

Gunas are the count tradition makes (a real number); the hearts are signs from tradition, not a forecast or a measurement.

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

SAMPLE · नमूना

Nadi: the largest part (8 gunas)

IN SHORT

- You share one Nadi, Antya (Kapha): tradition reads it with its exceptions.
- Gunas here: 0 of 8.

Nadi · nature and rhythm 0 / 8

Places each birth star in one of three groups that tradition links with a person's nature (vata, pitta, kapha).

Aadi (Vata)

neither of you

Ashwini, Ardra, Punarvasu, Uttara Phalguni, Hasta, Jyeshtha, Mula, Shatabhisha, Purva Bhadrapada

Madhya (Pitta)

neither of you

Bharani, Mrigashira, Pushya, Purva Phalguni, Chitra, Anuradha, Purva Ashadha, Dhanishta, Uttara Bhadrapada

Antya (Kapha)

Aditya Saxena: Uttara Ashadha
Ritika Agarwal: Uttara Ashadha

Krittika, Rohini, Ashlesha, Magha, Swati, Vishakha, Uttara Ashadha, Shravana, Revati

0 of 8: you share one Nadi. Tradition reads this with its exceptions and the whole charts.

Exceptions tradition records

Exceptions tradition records for Nadi dosha. Texts differ on how much weight each carries, so the final reading is your astrologer's.

- ✓ **Both Moons are in the same nakshatra and sign but in different padas (accepted by some traditions only).**
- ✓ **The lords of the two Moon signs are the same planet or on friendly terms: at least one counts the other as a friend, and neither counts the other as an enemy (noted in some texts).**
- Both Moons are in the same sign but in different nakshatras.
- Both Moons are in the same nakshatra but in different signs (possible for a nakshatra that spans two signs).

At least one exception tradition records applies to your two charts. How much it softens the dosha is for your astrologer to judge; please decide together with your families and an astrologer.

What families often do

- Many families ask a pandit for a Nadi shanti puja.
- Some families give grain in charity on a good day chosen with a pandit.

A moment for the two of you

What would you like to learn together?

SAMPLE · नमूना

Porutham: the ten South Indian checks

IN SHORT

- 5 of the 10 Porutham checks agree.
- Rajju does not agree; tradition reads it with an astrologer and the whole charts.

Porutham · checks that agree 5 / 10

Porutham is the South Indian way of matching: ten checks from the two birth stars and Moon signs, each agreeing or not. The tables are the ones our Porutham calculator uses; books differ a little.

- Dina: day-to-day ease
- ✓ **Gana: nature**
- Mahendra: family well-being
- Stree Deergha: shared well-being over the years
- ✓ **Yoni: comfort and habits**
- Rasi: the two Moon signs
- ✓ **Rasyadhipati: the Moon-sign lords**
- ✓ **Vasya: mutual pull**
- Rajju: the bond tradition weighs most
- ✓ **Vedha: an easy flow between the two stars**

Fewer than 6 of the 10 matches agree; tradition asks for a closer look with an astrologer.

Rajju does not agree. South Indian tradition gives this match great weight; texts also record exceptions, and astrologers look at it together with the whole charts before advising. Please decide together with your families and an astrologer.

Books differ a little in these tables; the Porutham is one part of matching.

What this means for you

Fewer checks agree here. It is one method among several; tradition reads it with an astrologer, not as a verdict.

A moment for the two of you

Which shared memory makes you both smile?

SAMPLE · नमूना

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ASTRODARBAAR



कुंडली मिलान रिपोर्ट

आदित्य सक्सेना + रितिका अग्रवाल

कुंडली मिलान, परंपरा की भाषा में

वर
आदित्य सक्सेना, 19-08-1994

वधू
रितिका अग्रवाल, 06-02-1997

गुण
36 में से 28

पोरुथम
10 में से 5 मेल

आस्ट्रोदरबार एक्सक्लूसिव

आस्ट्रोदरबार द्वारा तैयार, 2026-11-23

astrodarbaar.com

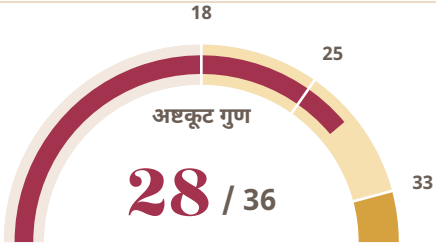
स्कैन करें

SAMPLE · नमूना

आपका मिलान, एक नज़र में

संक्षेप में

- अष्टकूट: 36 में से 28 गुण · अच्छा मेल।
- पोरुथम: दक्षिण भारत की 10 जाँचों में से 5 मेल खाती हैं।
- आप दोनों का स्वभाव-मेल: सहज; सबसे सहज: भावनाओं का मेल · स्नेह और रुचि।



अच्छा मेल

आप दोनों का स्वभाव-मेल

सहज

स्वभाव-मेल के संकेत, गुणों की गिनती से अलग।

आठ कूट: हर हिस्से के गुण

नाड़ी · प्रकृति और लय	0 / 8
भकूट · घर का तालमेल	7 / 7
गण · स्वभाव	6 / 6
ग्रह मैत्री · मन का मेल	5 / 5
योनि · सहजता और आदतें	4 / 4
तारा · रोज़ का सुख	3 / 3
वश्य · आपसी खिंचाव	2 / 2
वर्ण · नज़रिया	1 / 1

तीन बड़ी जाँचें

- नाड़ी: एक ही (उसका पन्ना देखें)
- भकूट: अनुकूल (7 में से 7)
- मंगल: एक की सूची में (उसका पन्ना देखें)

गुण परंपरा की गिनती हैं (असली अंक); दिल के निशान परंपरा के संकेत हैं, भविष्यवाणी या माप नहीं।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

SAMPLE · नमूना

नाड़ी: सबसे बड़ा हिस्सा (8 गुण)

संक्षेप में

- आप दोनों की नाड़ी एक है, अंत्य (कफ): परंपरा इसे अपवादों के साथ पढ़ती है।
- यहाँ गुण: 8 में से 0।

नाड़ी · प्रकृति और लय 0 / 8

हर जन्म नक्षत्र को तीन वर्गों में रखता है, जिन्हें परंपरा व्यक्ति की प्रकृति (वात, पित्त, कफ) से जोड़ती है।

आदि (वात)

आप में से कोई नहीं

अश्विनी, आर्द्रा, पुनर्वसु, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, ज्येष्ठा, मूल, शतभिषा, पूर्वा भाद्रपद

मध्य (पित्त)

आप में से कोई नहीं

भरणी, मृगशिरा, पुष्य, पूर्वा फाल्गुनी, चित्रा, अनुराधा, पूर्वाषाढ़ा, धनिष्ठा, उत्तरा भाद्रपद

अंत्य (कफ)

आदित्य सक्सेना: उत्तराषाढ़ा
रितिका अग्रवाल: उत्तराषाढ़ा

कृत्तिका, रोहिणी, आश्लेषा, मघा, स्वाति, विशाखा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, रेवती

8 में से 0: आप दोनों की नाड़ी एक है। परंपरा इसे अपवादों और पूरी कुंडलियों के साथ पढ़ती है।

परंपरा में दर्ज अपवाद

नाड़ी दोष के लिए परंपरा में दर्ज अपवाद। ग्रंथों में मतभेद है कि किसका कितना महत्व है, इसलिए अंतिम राय आपके ज्योतिषी की होगी।

- ✓ **दोनों के चंद्र एक ही नक्षत्र और राशि में हैं पर चरण अलग हैं (इसे केवल कुछ परंपराएँ मानती हैं)।**
- ✓ **दोनों चंद्र राशियों के स्वामी एक ही ग्रह हैं या उनमें मित्रता है: कम से कम एक दूसरे को मित्र मानता है, और कोई भी दूसरे को शत्रु नहीं मानता (कुछ ग्रंथों में उल्लेख)।**
- दोनों के चंद्र एक ही राशि में हैं पर नक्षत्र अलग हैं।
- दोनों के चंद्र एक ही नक्षत्र में हैं पर राशियाँ अलग हैं (ऐसा उन नक्षत्रों में होता है जो दो राशियों में फैले हैं)।

परंपरा में दर्ज कम से कम एक अपवाद आपकी दोनों कुंडलियों पर लागू होता है। यह दोष को कितना कम करता है, यह आपके ज्योतिषी तय करेंगे; कृपया अपने परिवारों और किसी ज्योतिषी के साथ मिलकर निर्णय लें।

परिवार अक्सर क्या करते हैं

- कई परिवार पंडित जी से नाड़ी शांति पूजा करवाते हैं।
- कुछ परिवार पंडित जी से चुने किसी शुभ दिन अन्न का दान करते हैं।

एक पल आप दोनों के लिए

आप साथ मिलकर क्या सीखना चाहेंगे?

SAMPLE · नमूना

पोरुथम: दक्षिण भारत की दस जाँचें

संक्षेप में

- 10 पोरुथम जाँचों में से 5 मेल खाती हैं।
- रज्जु मेल नहीं खाती; परंपरा इसे ज्योतिषी और पूरी कुंडलियों के साथ पढ़ती है।

पोरुथम · मेल खाती जाँचें 5 / 10

पोरुथम मिलान का दक्षिण भारतीय तरीक़ा है: दोनों जन्म नक्षत्रों और चंद्र राशियों से दस जाँचें, हर एक में मेल है या नहीं। तालिकाएँ वही हैं जो हमारा पोरुथम कैलकुलेटर लेता है; ग्रंथों में थोड़ा अंतर होता है।

- दिन: रोज़ की सहजता
- ✓ **गण: स्वभाव**
- महेंद्र: परिवार की ख़ुशहाली
- स्त्री दीर्घ: सालों तक साझा ख़ुशहाली
- ✓ **योनि: सहजता और आदतें**
- राशि: दोनों चंद्र राशियाँ
- ✓ **राश्यधिपति: चंद्र राशियों के स्वामी**
- ✓ **वश्य: आपसी खिंचाव**
- रज्जु: वह बंधन जिसे परंपरा सबसे ज़्यादा महत्व देती है
- ✓ **वेध: दोनों नक्षत्रों के बीच सहज प्रवाह**

10 में से 6 से कम मेल मिलते हैं; परंपरा ज्योतिषी के साथ ध्यान से देखने की सलाह देती है।

रज्जु नहीं मिलती। दक्षिण भारतीय परंपरा इस मेल को बहुत महत्व देती है; ग्रंथों में इसके अपवाद भी दर्ज हैं, और ज्योतिषी सलाह देने से पहले इसे पूरी कुंडलियों के साथ देखते हैं। कृपया अपने परिवारों और किसी ज्योतिषी के साथ मिलकर निर्णय लें।

ग्रंथों में ये तालिकाएँ थोड़ी अलग हैं; पोरुथम मिलान का एक हिस्सा है।

आपके लिए इसका मतलब

यहाँ कम जाँचें मेल खाती हैं। यह कई तरीकों में से एक है; परंपरा इसे ज्योतिषी के साथ पढ़ती है, फ़ैसले की तरह नहीं।

एक पल आप दोनों के लिए

कौन-सी साझा याद आप दोनों के चेहरे पर मुस्कान ले आती है?